GOVT. D.B. GIRLS' P.G. AUTONOMOUS COLLEGE

Raipur C.G.

DEPARTMENT OF ECONOMICS

ANNUAL REPORT

2017-18

अर्थशास्त्र विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन

2017–18

क	गतिविधियां	दिनांक
1	क्षेत्रीय भ्रमण–निसदा बैराज	16.9.17
2	समूह चर्चा आयोजन	18.9.17
3	सेमीनार आयोजन	3.12.17
4	अध्ययन परिषद गठन	25.7.17
5	आंतरिक मूल्यांकन	
6	वृक्षारोपण	14.7.17, 21.7.17
7	कार्यशाला आयोजन लैंगिक समानता	5.2.18
8	कार्यशाला आयोजन सतनामी संस्कृति	23.2.18

Government D. B. Girls P. G. Autonomous College, Raipur (C.G.)

EDUCATIONAL VISIT TO NISDA BARRAGE- AARANG

SEPTEMBER 16 , 2017

Overview of the Educational Visit

Government D B Girls (Autonomous) P.G College had organized an educational tour of one day on 16 September 2017 to Nisda Barrage located near Aarang 48km from Raipur, Chhattisgarh for students of Economics Department .This educational tour was the part of curriculum. This tour was organized with prior permission of Dr Preeti Sharma .Dr Preeti Kansara, Dr Anita Dikshit & Miss Divya Jain were the co-ordinator for this whole educational tour. Total 23 Students visited to site.

Objective

- To understand the working of barrage
- For cost benefit analysis of barrage..
- To find the importance of barrage for environment, agriculture, industries, irrigation facilities.
- To find the contribution of barrages in economic growth of the region

Detail of Journey

We started our journey at 10:30 am by a bus. It took around 1.5 hour to reach the destination. After reaching there we met with Mr…….. . After taking rest for half an hour the working of barrage gate is explained by Dr Anita Dixit which is built on the river Mahanadi. River Mahanadi is know as “Lifeline of Chhatisgarh”. Mahanadi is the largest river in Orrisa and Chhattisgarh region. In the ancient age the river Mahanadi was know with name “Chitrotpala”.

Others names of river Mahanadi are “Mahananda” and “ Nilotpala”. Mahanadi has origin from the Mountain Chain of Sihawa situated at Dhamtari.

Satellite view of River

वृक्षारोपण

PLANTATION AT BORIA SCHOOL RAPUR

14.7.17

शास. दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय
रायपुर(छ.ग.)

शास. दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय
रायपुर(छ.ग.)

कार्यशाला आयोजन– लैंगिक समानता

अर्थशास्त्र विभाग
कार्यशाला

कार्यशाला आयोजन सतनामी संस्कृति

"सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान"

महिला अध्ययन केन्द्र

यूजीसी द्वारा प्रायोजित कार्य"ाला

दिनांक – 23.2.18

नमंत्रण पत्र

एक दिवसीय कार्य”ाला

दिनांक—23.2.18

“सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान“

संरक्षक एवं प्राचार्य

डॉ. रेखा पाण्डेय

महिला अध्ययन केन्द्र प्रभारी

डॉ.उषाकिरण अग्रवाल

संयोजक

डॉ. प्रीति कंसारा

सह—संयोजक

डॉ. अलका वर्मा   डॉ. रागिनी पाण्डेय

शासकीय दू.ब.महिला स्व”ासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

आयोजन समिति

दीप प्रज्ज्वलन

स्वागत उदबोधन

समाचार पत्र

रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

डिग्री गर्ल्स कॉलेज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व और छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में महिलाओं का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डॉ. उषाकिरण अग्रवाल ने कहा कि समरसता का अर्थ सभी धर्म, जाति और वर्ग को समान रूप से अंगीकार करना होता है।

प्राचार्या रेखा पांडेय का कहना था कि सतनामी समाज का छत्तीसगढ़ और राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान रहा है। सतनामी संस्कृति प्रेम, दया, करुणा और समानता के मानवीय गुणों सेओतप्रोत है। आज संत गुरु घासीदास के करोड़ों शिष्य हैं। उन्होंने रूढ़िवादी, अंधानुकरण को दूर कर सामाजिक जागरूकता फैलाई। जीवप्रेम के कारण उन्होंने कहा सभी जीव समान हैं। पर स्त्री को उन्होंने माता तुल्य मानने का उपदेश दिया। सादा जीवन उच्च विचार का संदेश है। मुख्य वक्ता डॉ जेआर सोनी ने कहा सतनाम पंथ में 64 गोत्र हैं, इसमें 64 जातियों को मिलाया गया। उन्हीं की आखिरी पीढ़ी से सांसद मिनी माता का भी महिला उत्थान में बहुत बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कई सरकारी प्रोजेक्ट प्रारंभ करवाए। महिलाओं को सम्मानित किया। डॉ. कल्याण रवि ने कहा कि आत्म शोधन, दया परोपकार, करुणा व सहअस्तित्व सतनाम, संस्कृति के मूल आधार हैं। सत्य ही सबसे प्रमुख तत्व है। सतनाम ही जीवन का सार है। जैतखाम का अर्थ है विजय का स्तंभ। समाज में कोई भेद नहीं है, यहां सब एक हैं। सतनामी समाज उत्पादन कर्म कर रहा है, जिससे राष्ट्र की उत्पादक क्षमता बढ़ी है। साहुल पेड़ का बहुत महत्व है।

स्टूडेंट्स को बताया गुरु घासीदास का संदेश- सत्य को परखिए, फिर मानिए

डिग्री गर्ल्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एक्सपर्ट्स ने रखे विचार

रायपुर | डिग्री गर्ल्स कॉलेज में शुक्रवार को 'सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान' विषय पर कार्यक्रम रखा गया। मुख्य वक्ता घासीदास शोधपीठ के अध्यक्ष डॉ. जेआर दानी ने बताया कि गुरु घासीदास का संदेश है कि पहले सत्य को परखिए, फिर उसे मानिए। उन्होंने सभी जीवों को समान कहा है, लेकिन स्त्री को माता तुल्य मानने का उपदेश दिया है। कॉलेज की प्राचार्या रेखा पांडेय ने कहा कि सतनामी संस्कृति का छत्तीसगढ़ व राष्ट्र निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सतनामी संस्कृति में प्रेम, दया, करुणा, समानता जैसे गुण हैं। डॉ कल्याण रवि ने कहा कि दया, परोपकार, आत्म शोधन ही संस्कृति का मूल आधार है। सत्य ही सबसे प्रमुख तत्व है। वहीं, राज्य महिला आयोग की सदस्य खिलेश्वरी किरण ने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया का जो संस्कार बचपन से हमें मिलता है उसे साथ लेकर चलें। संस्कार बाजार में नहीं मिलता, ये माता पिता व गुरुजनों से हासिल किया जा सकता है ।

स्वागत

स्वागत

स्वागत उदबोधन

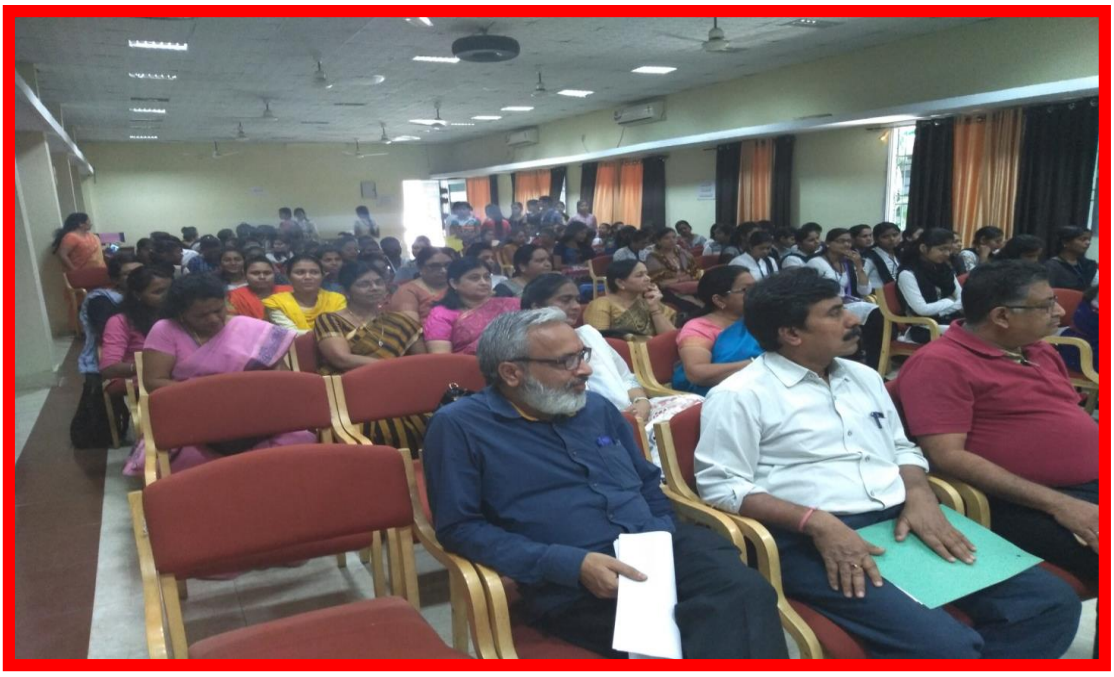

वक्ता–श्रीमती खिलेश्वरी किरण

वक्ता–श्री जे. आर. सोनी

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा
प्रायोजित एक दिवसीय
कार्यशाला
23.02.2018
"सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं
छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान"
शासकीय दू.ब. महिला स्वायासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा

वक्ता– डॉ. कल्याण रवि

वक्ता–श्रीमती खिलेश्वरी किरण

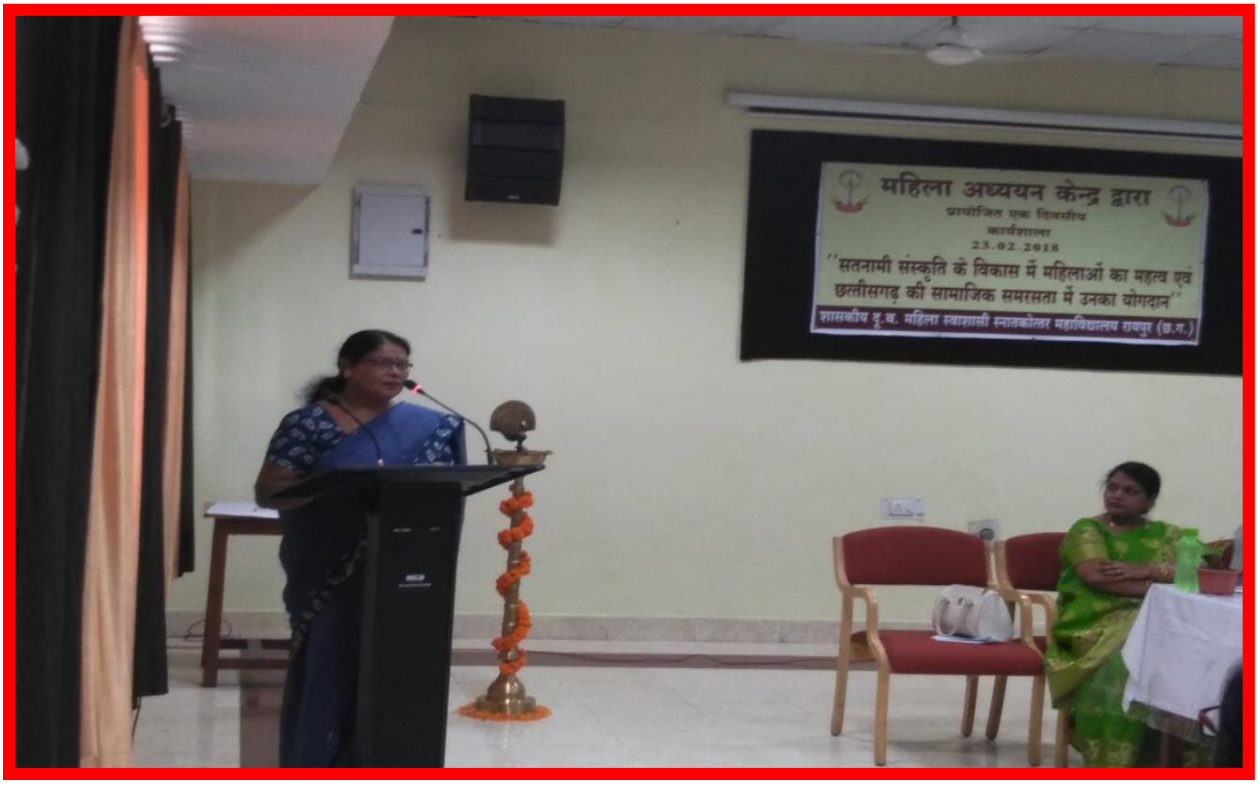

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा
प्रायोजित एक दिवसीय
कार्यशाला
23.02.2018
''सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं
छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान''
शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
LG
NO SIGNAL

प्रमाणपत्र वितरण

प्रमाणपत्र वितरण

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा
प्रायोजित एक दिवसीय
कार्यशाला
23.02.2018
''सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं
छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान''
शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

प्रमाणपत्र वितरण

पंजीयन प्रपत्र

महिला अध्ययन केन्द्र
द्वारा प्रायोजित

एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांक - 23.02.2018

''सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान''

नाम -

पद -

संस्था का नाम -

मोबाईल नं. -

हस्ताक्षर -

शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

महिला अध्ययन केन्द्र

द्वारा प्रायोजित

एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांक - 23.02.2018

''सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान''

शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

निमंत्रण पत्र

एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांक - 23.02.2018

''सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान''

संरक्षक एवं प्राचार्य
डॉ. रेखा पाण्डेय

महिला अध्ययन केन्द्र प्रभारी
डॉ. उषाकिरण अग्रवाल

संयोजक
डॉ. प्रीति कंसारा

सह - संजोजक
डॉ. अलका वर्मा डॉ. रागिनी पाण्डेय

शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

शासकीय दू.ब. महिला स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

महिला अध्ययन केन्द्र

द्वारा प्रायोजित

एक दिवसीय कार्यशाला

23.02.2018

प्रमाण पत्र

सतनामी संस्कृति के विकास में महिलाओं का महत्व एवं छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता में उनका योगदान

प्रमाणित किया जाता है कि कु./श्रीमती /.....कक्षा ..... महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा दिनांक ..... को आयोजित कार्यशाला में सम्मिलित हुई।

उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

डॉ. उषा किरण अग्रवाल	डॉ. प्रीति कंसारा	डॉ. अलका वर्मा , डॉ. रागिनी पाण्डेय	डॉ. रेखा पाण्डेय
प्रभारी महिला अध्ययन केन्द्र	संयोजक	सह-संयोजक	प्राचार्य